भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. 226

दिनांक 16 दिसम्बर, 2025

तमिलनाडु में कृषि विज्ञान केंद्र

***226. श्री सी.एन.अन्नादुरई:**
श्री नवसकनी के.:

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तमिलनाडु में वर्तमान में कार्यशील कृषि विज्ञान केन्द्रों (केवीके) की जिला-वार संख्या कितनी है और उनका ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का विचार कृषि अनुसंधान, प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी के प्रसार को सुदृढ़ करने के लिए तमिलनाडु में, विशेषकर तिरुवनमलई, रामनाथपुरम और कांचीपुरम जिलों में कोई नए कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित करने का है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) तमिलनाडु में कृषि विज्ञान केन्द्रों की अवसंरचना के उन्नयन और क्षमता निर्माण के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या तिरुवनमलई, रामनाथपुरम और कांचीपुरम सहित तमिलनाडु में कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्य-निष्पादन और पहुंच का कोई मूल्यांकन किया गया है और यदि हां, तो मुख्य निष्कर्ष क्या हैं; और

(ड.) तिरुवनमलई, रामनाथपुरम और कांचीपुरम तथा आस-पास के जिलों में कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्यकरण में किसानों की भागीदारी, महिलाओं की भागीदारी और आधुनिक प्रौद्योगिकियों के उपयोग बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री
(श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (ड़): विवरण सभा के पटल पर प्रस्तुत है।

*****

"तमिलनाडु में कृषि विज्ञान केंद्र" से संबंधित लोक सभा के दिनांक 16.12.2025 के तारांकित प्रश्न संख्या 226 के भाग (क) से (ड़) से संबंधित विवरण

(क) : वर्तमान में, तमिलनाडु राज्य में कुल मिलाकर 31 कृषि विज्ञान केन्द्र कार्य कर रहे हैं। तमिल नाडु में संचालित कृषि विज्ञान केन्द्रों का जिला-वार विवरण अनुबंध में दिया गया है।

(ख) : तमिलनाडु में, पांच नव सृजित जिलों नामत: कांचीपुरम, मयिलादुतुरई, रानीपेट, तिरूनेलवेली तथा तिरूपथुर में कृषि विज्ञान केन्द्र नहीं है। नव सृजित जिले में कृषि विज्ञान केन्द्र को खोलना निर्धारित कार्यविधि और दिशानिर्देशों के अनुसार एक सतत प्रक्रिया है। तिरूवन्नामलई और रामनाथपुरम जिले में पहले से एक-एक कृषि विज्ञान केन्द्र हैं।

(ग): कृषि विज्ञान केन्द्रों का सुदृणीकरण एक प्राथमिकताबद्ध और नियमित प्रक्रिया है। तमिलनाडु में कृषि विज्ञान केन्द्रों में बुनियादी सुविधा और क्षमता निर्माण का उन्नयन करने के लिए अनेक कदम उठाये गए हैं। सरकार, कृषि विज्ञान केन्द्रों की भौतिक बुनियादी सुविधा को अपग्रेड करने की दिशा में लगातार प्रयास करती है। वर्ष 2021-26 योजना अवधि के दौरान, तमिल नाडु के कृषि विज्ञान केन्द्रों को दो प्रशासनिक भवनों, दो किसान हॉस्टल, बीस प्रदर्शन इकाइयों और तीस फार्म मशीनरी/उपकरणों/वाहनों के साथ मजबूती प्रदान की गई है। इसके अलावा, इसी अवधि के दौरान, नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकियों पर तमिल नाडु में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों के विषयगत विशेषज्ञों की जानकारी और कौशल को अद्यतन करने के लिए कुल 61 प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल किए गए प्रमुख क्षेत्र थे : डिजिटल कृषि, प्राकृतिक/जैविक खेती, पादप सुरक्षा व नाशीजीव प्रबंधन, बागवानी व प्रेसिजन कृषि, मृदा स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन एवं अनुकूलता, पशुधन एवं पोल्ट्री से संबंधित प्रौद्योगिकियां, कटाई-उपरांत प्रौद्योगिकी, मूल्य-वर्धन एवं प्रसंस्करण आदि।

(घ): कृषि विज्ञान केन्द्रों की निगरानी और समीक्षा करने के लिए एक मजबूत मैकेनिज्म है और इसमें तमिलनाडु के कृषि विज्ञान केन्द्र भी शामिल हैं ताकि इन्हें जिला स्तर पर प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का जीवंत और प्रभावी संस्थान बनाया जा सके। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर); कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी); कृषि विश्वविद्यालयों और प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र की वैज्ञानिक सलाहकार समिति द्वारा क्रमश: राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, विश्वविद्यालय और जिला स्तर पर कृषि विज्ञान केन्द्रों की नियमित रूप से निगरानी और समीक्षा की जाती है। समय-समय पर पंचवर्षीय समीक्षा दल (QRT) और तृतीय पक्ष मूल्यांकन द्वारा भी कृषि विज्ञान केन्द्रों के कार्य निष्पादन और कार्य की समीक्षा की जाती है।

तमिलनाडु के कृषि विज्ञान केन्द्रों जिनमें तिरूवन्नामलई और रामनाथपुरम जिले के कृषि विज्ञान केन्द्र भी शामिल हैं, के कार्य निष्पादन की हालिया समीक्षा का मूल्यांकन वर्ष 2020 में पंचवर्षीय समीक्षा दल (QRT) द्वारा किया गया था। मूल्यांकन के प्रमुख परिणामों का सार नीचे प्रस्तुत किया गया है। तमिलनाडु में प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र ने अपने संबंधित जिले में प्रौद्योगिकी मूल्यांकन, अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों और क्षमता निर्माण में उल्लेखनीय योगदान दिया है। अधिकांश कृषि विज्ञान केन्द्रों में लगभग 88 प्रतिशत स्टाफ तैनात हैं और इनमें 16-23 हेक्टेयर अनुदेशात्मक फार्म का रखरखाव किया गया है । इनमें विभिन्न खेत फसलों का 15001.59 क्विंटल गुणवत्ता बीज और बागवानी फसलों की 1.55 करोड़ रोपण सामग्री का उत्पादन किया जा रहा है जिससे विभिन्न प्रकार की प्रसार गतिविधियां चलाने में मदद मिलती है। कृषि विज्ञान केन्द्रों का मुख्य ध्यान प्रसार के लिए उच्च प्रभाव वाली फ़सल किस्मों पर रहा है (धान : CO-R-50, CO-51; उड़द : VBN-6, VBN-8; रागी : ML-365 आदि)। साथ ही इसमें एकीकृत फ़सल और पोषक तत्व प्रबंधन पद्धतियाँ, कृषि यंत्रीकरण और पशुधन-आधारित तकनीकें भी प्रमुख रूप से शामिल रही हैं।

(ङ) : केन्द्र सरकार, आईसीएआर के माध्यम से तिरूवन्नामलई और रामनाथपुरम में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र सहित तमिलनाडु के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों को 100% वित्तीय सहयोग प्रदान करती है ताकि आधुनिक प्रौद्योगिकियों का प्रसार किया जा सके और महिला किसानों सहित सभी किसानों का क्षमता विकास किया जा सके। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा वर्ष 2021-22 से 2025-26 के दौरान तमिलनाडु में कृषि विज्ञान केन्द्रों को कुल रू. 32640.94 लाख की राशि प्रदान की गई है।

इसके अलावा, पोषण, खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य-वर्धन, पशुधन आधारित उद्यम तथा कठिन परिश्रम को कम करने वाली प्रौद्योगिकियों में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। कृषि विज्ञान केन्द्र, स्वयं सहायता समूहों (SHGs), ग्रामीण महिला उद्यमियों का सहयोग करते हैं और महिलाओं द्वारा संचालित इकाइयों की स्थापना में मदद करते हैं, जैसे–मशरूम उत्पादन, गृह-बागवानी (होमस्टेड हॉर्टिकल्चर), किचन गार्डन और अहाता पोल्ट्री पालन।

अभी हाल ही में, तमिलनाडु सहित देशभर में दिनांक 29 मई से 12 जून, 2025 के दौरान विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया गया जिसका उद्देश्य आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों के बारे में जागरूकता का सृजन करना था । इस अभियान को तमिल नाडु के 31 जिलों में चलाया गया जिसमें कुल 7.01 लाख किसानों ने भाग लिया और इनमें 3.20 लाख महिला किसान (45.6%) शामिल थीं।

****

अनुबंध

(लोक सभा के दिनांक 16.12.2025 के तारांकित प्रश्न संख्या 226 का भाग (क)

तमिलनाडु में कार्यरत कृषि विज्ञान केंद्रों का जिलावार विवरण

क्रम संख्या	जिला/केवीके	मेजबान संगठन का स्वरूप	स्थापना का वर्ष
1	अरियालूर	एनजीओ	2009
2	चेंगलपट्टू	एसएयू (टीएएनयूवीएएस)	1985
3	कोयंबटूर	एनजीओ	1979
4	कुड्डालोर	एसएयू (टीएनएयू)	1985
5	धर्मपुरी	एसएयू (टीएनएयू)	2006
6	डिंडीगुल	डीयू (जीआरआई)	1989
7	इरोड	एनजीओ	1992
8	कल्लाकुरिची	एसएयू (टीएएनयूवीएएस)	2018
9	कन्याकुमारी	एसएयू (टीएनएयू)	2004
10	करूर	एनजीओ	2005
11	कृष्णागिरी	एनजीओ	1978
12	मदुरै	एसएयू (टीएनएयू)	2004
13	नागपट्टिनम	एसएयू (टीएनजेएफयू)	2004
14	नमक्कल	एसएयू (टीएएनयूवीएएस)	2004
15	पेरम्बलूर	एनजीओ	2002
16	पुदुक्कोट्टई	एसएयू (टीएनएयू)	2004
17	रामनाथपुरम	एसएयू (टीएनएयू)	2004
18	सलेम	एसएयू (टीएनएयू)	1994
19	शिवगंगा	एसएयू (टीएएनयूवीएएस)	1996
20	नीलगिरी	एसएयू (टीएनएयू)	2022
21	थेनी	एनजीओ	1994
22	थेंकासी	एनजीओ	1994
23	थुथूकुडी	एनजीओ	1996
24	तिरुचिरापल्ली	एसएयू (टीएनएयू)	1977
25	तिरुपुर	एसएयू (टीएनएयू)	2019
26	तिरुवल्लुर	एसएयू (टीएनएयू)	2004
27	तिरुवन्नामलई	एनजीओ	1991
28	तिरुवरुर	एसएयू (टीएनएयू)	2004
29	वेल्लोर	एसएयू (टीएनएयू)	2004
30	विल्लुपुरम	एसएयू (टीएनएयू)	2004
31	विरुधुनगर	एसएयू (टीएनएयू)	2006

****